

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—चण्ड 1
PART III—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई विल्ली, बीरवार, मार्च 22, 1984/चंत्र 2, 1906

No. 6] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 22, 1984/CHAITRA 2, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलभ के रूप में

रका जासके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कानवृर

कानपुर, 12 मार्च, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचनाएं

निवेश मं० एम-1389/83/676-4-अतः मुझे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं० 3374 है तथा जो रूड़की में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-83, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण, लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनिय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थातु:---

 श्री जिथालाल जैन, पुत्र स्व०
 श्री सुन्दर लाल जैन, निवासी मो॰ राजपूतान, पूर्वी ऋक्की ।

(जन्सरक)

- श्री जगपास सिंह व मीहन लास गोयल, ग्राम—गणेशपुर, जि०—सहारनपुर। (अन्तरिती)
- 3 सर्वश्री अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों, पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपिश में हितबढ़ किसी: अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ज। उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

सम्परित नम्बर 146 (1-3) व 148 (2-7) स्थित ग्रामा गणेशपुर, तहः इङ्की, जिला सहारनपुर।

तारीं**दा**: 12-3-84

ो रः

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th March, 1984

## Notices under Section 269-D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. M-1389 83 676-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 3374, situated at Roorkee (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 3-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforessaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Jiyalal Jain, So Late Shri Sunderlal Jain, Ro Mohalla-Rajputan Purvi Roorkee. (Transferor)
- 2. Jagpal Singh & Sri Mohan Lal Goyal, Vill. Ganeshpur, Distt. Saharanpur. (Transferee)
- 3. S|Shri Jagpal Singh & Sri Mohan Lal Goyal, Vill. Ganeshpur, Distt. Saharanpur: (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Property Nos. 146 (1—3) & 148 (2—7) situated at Vill. Ganeshpur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

Date: 12-3-1984.

Seal:

ं विवेस सं०ं एम-1 425/8:3/698-4--अतः मुझे, पी. एन. पाठक, आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है<sup>ं</sup>कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ए० से अधिक 'है और जिसकी सं 17932 है तथा जो आगरा में स्थित है (और 'इससे उपायद अनसूची में और पूर्ण रूप से 'वर्णित है), रजिस्ट्री-कती अधिकारी के कार्यालय, आकरा में,रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-83 को पूर्वोक्त, सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कमके दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्यों से जनत अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से 'कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) 'ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की 'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

. अतः, अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्रीमती सत्य कुमारी, पत्नी स्व० ठाकुर
   स्वकीर सिंह, नि. ३/27, बैंक-इम्जिस, सिविस
   भाइन्स, हरी पर्वत वार्ड, आगरा (अन्तरक)
- अभिवती सस्य कुमस्री, पत्नी स्व. रठाकुर रनवीर सिंह; नि. अ/27; वैक्स्इाउस; सिविस लाइन्स, हरी पर्वत वार्ड, आगरा। (अन्तरिती)
- 3. श्री/भीमती/कुमारी अन्तरिती (अह व्यक्ति, जिसके अभियोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध भें कौंई भी अरक्षीय---

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(खः) इस सूचना के राजपत्र भें भ्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण इतमें प्रयुक्त कड़ों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जहयाय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होया को उसस अहयाय में दिया गया है।

## अनुसुन्धी

कोठी नं. 3/27, बैंक हाउस, िसिकिश नाइन्स, हुरी पर्वत वार्ड, आगरा।

'तारी**ख**: 12-3-84

मोहर:

Ref. M-1425|83|6784.—Whereas No. P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ass the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number situated at Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 7-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .:-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Shrimati Satya Kumari, Wo Late Shri Ranbir Singh, Ro 3|27 Bank House, Civil Lines, Hari Parwat Ward, Agra (Transferor)

- 2. Shrimati Satya Kumari, Wo Late Shri Ranbir Singh, Ro 3/27, Bank House, Civil Lines, Hari Parwat Ward, Agra. (Transferee)
- 3. Smt Satya Kumari, Wo Late Shri Ranbir Singh, Ro 3/27, Bank House, Civil Lines, Hari Parwat Ward, Agra (Persons on occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Koti No. 3/27, Bank House, Civil Lines, Hari Parwat Ward, Agra.

Date: 12-3-1984.

Seal:

निवेश नं एस-1439/83-84/682-4-अतः मुझे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000 रु०से अधिक है और जिसका घर नं० 109 है तथा जो मोहल्ला ठेठर बाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-83 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्स्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अस्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूपं से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, वायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर

- देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री हर गोविंद पुत्र लाला नारायणवास
   व जगवीश भन्द्र तुलसीदास व हुंसराज
   नि० ठेठर वाड़ा, मेरठ (अन्तरक)
- श्री रस्तोगो सभा रोहतासक्सी, मेरठ, हरीकिशन रस्तोगी, पुत्र स्व० लाला मृंशीलाल व महेन्द्र कुमार, पु० स्व० लाला राम आसरे प्रसाद, नि० ठेठर बाबा, मेरठ (अन्तरिसी)
- 3. श्री/श्रीमिति/नुमारी (वे व्यक्ति, जिसके .....अधिभोग में संपत्ति है)

. . . . . . . . . . . . . . . . . . .

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अयक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं 109, मोहल्ला ठेठर वाड़ा, मेरठ शहर 280 वर्ग गज

तारीख: 12-3-84

मोहर:

Ref. No. M-1439 83-84 682-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such transfer between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

 S|Shri Hargobind S|o Lala Narain Das & Jagdish Chand Tulsidas & Hans Raj R|o Thethar Bara, Meerut.

(Transferor)

2. S|Shri Rastogi Sabha Rohtash Bansi Meerut Hari Kishan Rastogi S|o late Munshilal & Mahendra Kumar S|o late Lala Ram Asrey R|o Thethar Bara, Meerut.|

(Transferee)

3. S|Shri above.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days

from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property No. 109 Mohalla Thethar Bara, Meerut City 280 sq. yards.

Date: 12-3-1984.

Seal:

निदेश नं एम-1441/83-84/679-4.--- ग्रत: मुझे पी॰एन॰ पाठक, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रू० 25,000/- से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० म० नं० 18 है तथा जो पूर्वी फैयाज घलीमें स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-6-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्यों से युक्त भन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधां के लिये और /या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मतः श्रव उक्त श्रिष्टिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों भर्यातु:—

1. श्री सरवार केसर सिंह सृपुत्त श्री नग्द लाल मि॰ पूर्वी फैयाज अली मेरठ शहर (अन्तरक)

- श्री अञ्चुल अञ्चार खान स्पूत्रकी अञ्चुल गफ्तार खान निवासी पूर्वी फैयाज अली मेरठ गहर (अन्तरिती)
- श्री/श्रीमती/कुमारी वह व्यक्ति, जिसके .....मिं सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि, या तल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 की श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में िन्नितन्नद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्स्पद्टीकरणः—≆इसमें प्रयुक्त कक्दों भीर पदों का, जो भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क-में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस क्रध्याय में किया क्या है।

## अनुसुची

म०न० 18 पूर्वी फैयाज घली, मेरठ शहर 201 वर्ग गज

्लारीख १३८+३५८४

माहर:

Ref. No. M-1441/83-84/679-4.—Whereas, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per-schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 28-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets

which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :---

- 1. SShri Sardar Keshar Singh So Nand Lal Ro Purvi Faiyaz Ali Meerut city. (Transferor)
- 2. SShri Abdul Zabbar Khan So Abdul Gaffarkhan R o Purvi Faiyaz Meerut City.

(Transferee)

3. SShri above No. 2. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 18 Purvi Faiyaz Ali, Meerut City. Date 12-3-84. Seal:

.मिर्बेग नं ॰ एम- <u>1443/83\*84/673-4: स्</u>मतः पी० 'एन० पाठक, भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त मंधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्रिकास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - से मधिक है भौर जिसकी सं ..... है तथा जो मो० उद्देशहर इटावा में स्थित ्है (भौर इससे :उपावस भन्सूची में पूर्णकप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्र इटावा में, रजिस्ट्रीकरण क्रकिनियम: 1908 ( 1908 का: 16-) के ब्राधीन तारीख 18-5-83 को पूर्णलेल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और झन्तरक (मन्तरकों) और झन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त झन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्त-रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

श्रतः, श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :—

- 1. श्रीं/श्रीमती महादेवी W/O लोकनाथ दुवे व श्रीमती दुर्गो देवी W/O सुरण नारायण तिवारी नि० उर्दू पोस्ट व शहर इटावा (अन्तरक)
- 2. श्री रामिसलन गुन्ता पुन्न वंशीधर व श्रीमती मंजूला w/o रामिसलन गुप्ता नि॰ 25 मिश्रीटोला पोस्ट व जिला इटावा (अन्तरिती)
  - श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती वह व्यक्ति (जिसके ..... प्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिये कार्यवाहियां णुरू करता हूं,। उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बर्न्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त मध्यों भौर पदों का जो प्राध्यकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान सह मंजिला वाके मुहल्ला उर्दू शहर, इटावा 2725 वर्ग फीट

तारीख 13-3-84

मोहर:

No. M-1443 83-84.—Whereas P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah on 18-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of aforesaid property and I have redson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such transfer as to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

1. S|Shrimati Mahadevi W|o Loknath Dubey & Smt. Durga Devi W|o Suraj Narain Tiwari R|o Urdu Post and City Etawah.

(Transferor)

- 2. S|Shri Ram Milan Gupta S|o Bansidhar & Smt, Manjula W|o Ram Milan Gupta R|o 25 Misri Tola Post & Distt, Etawah. (Transferee)
- 3. S|Shri Transferee (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Property Mohalla Urdu Bazar Etawah Area 2725 sq. feet.

Date: 13-3-84.

Seal:

निषेश नं एम-1448/83-84/680-4-प्रतः मझे पी० एन० पाठक, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 7780 है तथा जो मेरठ में स्थित है (घीर इससे उपाबद **ग्रमुसी** में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय भेरठ में, **ःरजिस्टीर्के**रण भ्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के घंधीन तारीख 29-6-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से भधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- [क] भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए श्रौर/या
- [ख] ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम,

1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रस्तिरिती द्वारा प्रकृट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ब्रथीत् :---

- श्री ग्रशोक गोयल पुत्र हरीश चन्द मोयल निवासी—कोठी पंचवटी, 212 सिविल लाईन, मेरठ (श्रन्तरक)
- श्रीमती निर्मेला ध्रग्नवाल प्रश्नी श्री राज कुमार श्रग्नवाल c/o मैं० संतोष टी कम्पनी बेगम क्रिज, मेरठ शहर। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (अन्तरिती).....(बह ब्यक्ति, जिसके ......श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता हूं। उक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तरीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसधी

कोठी नं 212, सिविल लाईन, भेरठ।

तारीख : 12-3-1984

मोहर∵

Ref. No. M-1448 83-84 680-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Goil, So Sri Harish Chand Goil, Ro Kothi Punchwati, 212. Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

2. Smt. Nirmala Agrawal, Wo Sri Raj Kumar Agarwal, Co Ms. Santosh Tea Co., Begum Bridge, Mecrut City.

(Transferce)

3. S|Shri — do—

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Kothi No. 212, Punchwati, Civil Lines, Mecrut.

Date: 12-3-84.

Seal:

निदेश नं ० एम-1466/83-84/675-4:---श्रतः मुझे , पी ० एन० पाठक, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चान 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 54/83 है तथा जो मसुरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, मसूरी में, रौजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28-6-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर भन्तरक (भन्तरकों) श्रौर भन्तरिती (श्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रंब उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

- श्री श्रशोक कुमार गुप्ता, नि० 162, लैन्दूर दाजार, मसूरी (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कल्पना रावल, पत्नी श्री एव० के० रावल, नि०वेचर दास ब्लाक विक्टोरिया गार्डेन के पाम, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके .....ग्रिप्रभाग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुस्ची

24 एकड भूमि जो श्रीनगर इस्टेट, मपूरी में स्थित है।

सारीख 12.3.84 मोहर:

Ref. No. M-1466]83-84]675-4.—Whereas P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1981) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully describin the schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussorie on 28-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Ashok Kumar Gupta, Ro 162, Londoor Bzr., Mussorie.

(Transferor)

 Smt. Kalpana Rawal, Wlo Sri H. K. Rawal, Rlo Beechar Das Block, Near Victoria Garden, Ahmedabad-1.

(Transferee)

3. S|Shri —do— (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

24 acres land at Srinagar Estate, Mussorie.

Date 12-3-84.

Seal:

निदेश नं एस०-1600/83-84/681-4:—अतः मुझे, पी० एन० पाठक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चान् 'उक्ष्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है और जिसकी सं 17118 है तथा जो मेरठ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मेरठ में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत

से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देण्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने था उसमे बचने में सुविधा के लिए और/धा
- (ख) ऐसे किसी आप था किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिर्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैं०-एम० एम० बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स क० भगवान महाकीर मार्ग बन्ट जिला मेरठ। (अन्तरक)
- श्री रतन कौल, एम० डी०
  मैं० वेविश्ति एण्ड वैलेटिंग फैक्ट्री प्रा० लि०,
  निकलसन रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ..... अधिभीग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आदकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है। अનુ મુર્જો ક

ग्राम----निसरपुर परणानः----लोनी तालुक और (जला) गजियाबाद

तारीख: 12-3-84

मीहर :

Ref. No. M-1600|83-84|681-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto). has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 25-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Ratan Kaul, Managing Director, M|s. Webbing and Belting Factory Private Ltd. Nicholson Road, Delhi. (Transferor)
- 2. M/s. M. M. Builders and Promotors Co., Bhagwan Mahabir Marg. Baraut Distt. Meerut through Rajinder Kumar Jain S/o. Shri Maan Chand Rai Jain. (Transferce)
- 3. S|Shri —do—
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### **SCHEDULE**

Village—Nasirpur, Pargana—Loni Teh, and Distt, Ghaziabad.

Date: 12-3-84.

Seal:

## कानपुर, 13 मार्च, 1984

एम-1449/83-84/674-4 :--अतः मुझे, पी० एन० पाठक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 75 है तथा जो मोहम्मदपुर मापो में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-5-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार. मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पात्रा गना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा

(ख) ऐसे किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-एए अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उन्तः अधिनियम की घारा 269म क अनुसरण में, मैं उन्तः अधिनियम की घारा 269म की उपधारा(1) के अधीन, निम्नोलिखन व्यक्तियों, अर्थीन .--

- श्री सुरता, पुत्र मोल्हड, ग्राज-मोहस्पदगुर पर०,व तहसील व जिता—गहारानपुर (अन्तरक)
- अदर्श बिहार सहकारी आवाग समिति
  अध्यक्ष, श्रो अंज नन्दन जाल अप्रवान, पाठ स्टार
  पेपर मिल्ल, सहारानपुर. (अन्तरिकी)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह बाक्ति जिसके .....अधिनी में सम्पत्ति है)

को यह सूचना असी करके पूर्वीक्त समासि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है । उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रताशक की तारीख से 45 दिन की अवधि या तापम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अञ्याय में दिया गया है।

## अनु सुची'

तारीख: 13-3-84

माहर:

## Kanpur, the 13th March, 1984

Ref. No. M-1449|83-84|674-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 20-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the habitary of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

1. S|Shri Surta S<sub>1</sub>o Molhar Vill. Mohammdapur Post Teh-Saharanpur Distt-Saharanpur.

(Transferor)

2. Adarsh Vihar Sahkari Avas Samiti President Sh. Brij Nandan Sharan Agarwal Ro. Star Paper Mills Saharanpur.

(Transferee)

3. S|Shri No. 2.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

- the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE.

No. Khasra 75, 4 Bigha 7 Bishwa 10 Bisvasi Vill-Mahammadpurmapo Post and Teh-Disstt.— Saharanpur.

Date 13-3-84. Seal:

#### कानपर, 14 मार्च, 1984

ानदेश एम-1419/83/687-4---अतः मझे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम 1951 (1961 वा 🛂) (जिसे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 18150 है तथा जो आगरा में स्थित है ( और इसले उपाबद्ध अनमची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन सारीख 22-6-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्थ से कम के दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में नुविधा के लिए और/था
- (ख) ऐसे किसी आप था किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं

किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपान में मुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा(1) के अर्थान निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- श्री राम प्रकाण खेड़ा (अन्तरक) नि० चौराहा नालवन्द नाई मन्द्री आगरा।
- श्री जगदीश राम पुत्र श्री जेठाराम (अन्तरिती) एवं अन्य नि० 182 जयपुर हाउस, अभारा।
- 3. श्री/श्रीमती/कुमार्रा अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके .... अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा।
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ब्हाकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का ±3) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूची

मंकान नं० 1 श्री 10 ए/ 156 वाके जन्नपुर हाउस लोहामन्डी आगरा।

तारीख 14-3-84

मोहर

Kanpur, the 14th March, 1984

Ref. No. M-1419|83-687-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule

situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 22-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957-(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Prakash Khera, Rlo. Chauraha Nalwand, Nai Mandi, Agra.

(Transferor)

- 2. Sh. Jagdish Rai, So Shri Jetharam and others Ro. 182, Jaipur House, Agra. (Transferce)
- 3. S|Shri —do—
  (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 19/10A/156, at Jaipur House, Lohamandi, Agra.

Date: 14-3-1984,

Seal:

निदेश नं ० एम ०-1 4 2 0/8 3/68 5-4 - - अतः मुझे, पी० एन ० पाठक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 42) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18277 है तथा जो छत्तावार्ड आगण में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-83 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बज्जार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवन सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसुके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाय( गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर. अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की िश्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा, के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा(1) के अश्रीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती मत्या देवी पत्नी श्री विणम्भार नाय एवं अन्य, (अन्तरक) नि० 20/114 जमुना किनारा के पाम आगरा।
- श्री पवन कुमार गर्ग पुत्र
   श्री लक्ष्मत दास गर्ग
   14/266 गुड की मन्डी, आगरा । (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कृमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके .....अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरनाक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनिथम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 6/89 जमुना किनारा के पास छता वार्ड आगरा।

तारीख . 14-3-84

मोहर:

Ref. No. M-1420|83|685-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 24-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Satya Devi, W|o Sri Bishambhar Nath & others, R|o 20|114, Near Jamuna Kinara, Agra.

(Transferor)

- 2. Sh. Pawan Kumar Garg, Soo. Shri Laxman Das Garg, 14/266, Gur Ki Mandi, Agra. (Transferee)
- 3. S|Shri —de—
  (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 6|89, Near Jamuna Kinara, Chhata Ward, Agra.

Date: 14-3-84.

Seal:

निदेश नं० एम०-1421/83/686-4:—अतः मृझे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु० से अधिक है और जिसकी सं० 18415 है तथा जो लोहामन्डी, अगरा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-6-83 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृष्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके

दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रन्तह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अनारिती (अन्तरिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बावत, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री बजेन्द्र सिंह हारित, (अन्तरक)
   51/206, बाग्ह खम्मः, खेरिया रोड, आगरा
- श्रो गुर प्रसाद अग्रवाल एवं अन्य (अन्तरिती) भुजगणश्री साहब प्रसाद अग्रवाल, नि० 27 मिनी एम० आई० जो० फेन्ड्स कालोनी, न्यू शाहगंज, आगरा
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके .......धिभो। में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जे।री करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील में 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस स्वना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- -इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

ए० डी० ए० प्रापर्टी नं० 40, एम० आई० जी०, णाहगंज योजना, लोहामन्डो, आगरा ।

तारीख: 14-3-84

मोहर:

No. M-1421|83-686-4.—Whereas P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Brijendra Singh Harit 51 206, Barah Khambha, Kheria Road, Agra.

  (Transferor)
- 2. Gur Prasad Agarwal & others, So Sri Sahab Prasad Agarwal, Ro 27 Mini MIG Friends Colony, New Shahgani, Agra. (Transferce)
- 3. S|Shri —do—
  (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A.D.A. Property No. 40, MIG Shahganj Yojna, Lohamandi, Agra.

Date 14-3-84.

Seal:

एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 से अधिक है और जिसकी सं 18507 है तथा जो आगरा में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-6-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा यर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रति फल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल. निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री मुख्यराज मस्होत्रा, पुत्र (अन्तरक)
   श्री श्याम लाल, ८६, 6/2पन्जानी गसी, हांग मन्डी, आगरा
- 2. श्री सोहन लाल, पुत्र श्री लहाराय, (अन्तरिती) 6/233, पन्जाबी गली, हींग मण्डी, आगरा।
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके .....अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ०/19/10 ऐ/79, जयपुर हाउस, लोहामन्डी बार्ड, आगरा।

सारीख: 14-3-84

मोहर:

Ref. No. M-1422|83|684-4.—Whereas I, P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 29-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Mulkhraj Malhotra S|o Shri Shyam Lal 6|288, Punjabi-gali, Hing Mandi, Agra. (Transferor)
- Shri Sohan Lal, S'o Ladha Rai, 6|233, Punjabi gali Hing Mandi, Agra. (Transferee)
- 3. S|Shri —do—
  (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: 'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 19|10A|79, at Jaipur House, Lohamandi Ward, Agra.

Date: 14-3-84,

Seal:

## कानपुर, 17 फरवरी, 1984

पी० एन० पाठक, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चांत 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार **मृत्य** 25,000/- से म्रिधिक है भीर जिसकी सं० 7677 है सथा जो मेरठ में स्थित है (ग्रौर इसर्से उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त प्रधिकारी के कार्या-लय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-5-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाप प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रोर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रोर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरियों) के श्रीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के म्रधीन कर देने के म्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर, या
- (ख) ऐसे किसी धायया किसी धन या भ्रन्य ध्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा(1) के भ्राधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- श्रीमतीं केसर बाई पत्नी स्वर्गीय श्री राम लाल सर्वश्री हीरा लाल, द्वारिका प्रसाद, राम प्रकाश, लाजपत राय ग्रीर प्रेम कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री राम लाल 272, साबुन गोडाउन, मैन राइ, मेरठ (ग्रन्तरक)
- श्रीमती बीरबाला पत्नी श्री धरमपाल सिंह नि०-188 साबुन गोडाउन, चन्द्र लोक, भेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1968 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुस्**ची

एक सम्पूर्ण मकान नं० पूर्व 394-395 हाल नं०-188 दक्षिण मोहाना स्थित साबुन गोदाम चन्द्रलोक, मेरठ ।

तारीख:

मोहर:

पी० एन० पाठक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण, (भ्रजन रेंज), कानपुर

Kanpur, the 17th February, 1984

Ref. No. M-1440/83-84/677-4.—Whereas P. N. Pathak, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number 7677 situated at Meerut (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 23-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the

issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Kesar Bai wo. Late Shri Ram Lal Sls Hira Lal, Dwarka Prasad, Ram Prakash, Lajpat Rai and Prem Kumar Sons of all Late Shri Ram Lal 272-Sabun Godown, Main Road, Meerut. (Transferor)
- Smt. Bir Bala Wo Shri Dharam Pal Singh Ro 138 Saban Godown, Chander Lok, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Building No. 394, 395 Hall No. 188 Daxin Mohana situated at Saboon Godwon. Chander-lok, Meerut.

Date:

Seal:

P. N. PATHAK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR